नई शिक्षा-नीति - 2020

उच्च-शिक्षा विभाग, उत्तरप्रदेश शासन, लखनऊ

उत्तरप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत-पाठ्यक्रम

विषय-संस्कृत

पाठ्यक्रम निर्माण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप

(स्नातक के प्रथम तीन वर्षों के लिए)

प्रदेश-स्तरीय पाठ्यक्रम निर्माण समिति

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम समिति द्वारा संशोधित, परिवर्धित एवम् अनुमोदित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2021-2022 एवं आगे के वर्षों के लिए

National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all U.P. State Universities/Colleges

SUBJECT : SANSKRIT

Steering Committee

Name	Designation	Affiliation
Mrs. Monika S. Garg, (I.A.S.), Chairperson Steering Committee	Additional Chief Secretary	Dept. of Higher Education U.P., Lucknow
Prof. Poonam Tandan	Professor, Dept. of Physics	Lucknow University, U.P.
Prof. Hare Krishna	Professor, Dept. of Statistics	CCS University Meerut, U.P.
Dr. Dinesh C. Sharma	Associate Professor, Dept. of Zoology	K.M. Govt. Girls P.G. College Badalpur, G.B. Nagar, U.P.

Supervisory Committee - Language Stream

Prof. Anita Rani Rathore	Principal	Govt. Degree College Gabhana, Aligarh, U.P.
Prof. Ramesh Prasad	Associate Professor & HoD Department of Pali	Sampoornanand Sanskrit University, Varanshi
Dr. Puneet Bisaria	Associate Professor, Department of Hindi	Bundelkhand University, Jhansi
Dr. Deepti Bajpai	Associate Professor, Department of Sanskrit	K.M. Govt. Girls P.G. College Badalpur, G.B. Nagar, U.P.

Syllabus Developed by:

S. N.	Name	Designation	Deptt.	College/University
1.	Dr. Deepti Bajpai	Member Faculty Supervisory Committee-Language &Associate Professor	Sanskrit	K.M. Govt Girls PG College, Badalpur, G.B. Nagar U.P.
2.	Dr. Shardindu Kumar Tripathi	Associate Professor	Sanskrit	Banaras Hindu Univ., Varanasi
3.	Dr. Prayag Narayan Mishra	Assistant Professor	Sanskrit	Lucknow University, Lucknow
4.	Dr. Neelam Sharma	Assistant Professor	Sanskrit	K.M. Govt Girls PG College, Badalpur, G.B. Nagar U.P.

नई शिक्षा-नीति 2020

उच्च-शिक्षा विभाग, उत्तरप्रदेश शासन, लखनऊ

उत्तरप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत-पाठ्यक्रम

विषय-संस्कृत

पाठ्यक्रम निर्माण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप

(स्नातक के प्रथम तीन वर्षों के लिए)

प्रदेश-स्तरीय पाठ्यक्रम निर्माण-समिति

डॉ दीप्ति वाजपेयी (पर्यवेक्षक) एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर	डॉ. शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी (विषय विशेषज्ञ) एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र (विषय विशेषज्ञ) असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	डॉ. नीलम शर्मा (विषय विशेषज्ञ) असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर

नई शिक्षा-नीति - 2020

उत्तरप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत-पाठ्यक्रम

विषय - संस्कृत (स्नातक-स्तर- मुख्य पाठ्यक्रम)·

बी.ए. प्रथम-वर्ष -

<u>प्रथम सेमेस्टर</u> - संस्कृत-पद्य साहित्य एवं व्याकरण — कोड- A020101T

<u>द्वितीय सेमेस्टर</u> - संस्कृत-गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग — कोड- A020201T

बी.ए. द्वितीय-वर्ष -

<u>तृतीय सेमेस्टर</u> - संस्कृत-नाटक एवं व्याकरण — कोड- A020301T

<u>चतुर्थ सेमेस्टर</u> - काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन-कौशल — कोड- A020401T

बी.ए. तृतीय-वर्ष -

<u>पंचम सेमेस्टर</u> - प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिक-वाङ्मय एवं भारतीय-दर्शन — कोड- A020501T

द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरण एवं भाषा-विज्ञान — कोड- A020502T

<u>षष्ठ सेमेस्टर</u> - प्रथम प्रश्नपत्र - आधुनिक संस्कृत-साहित्य — कोड- A020601T

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में से कोई एक।

द्वितीय प्रश्नपत्र - क (वैकल्पिक) - योग एवं प्राकृतिक-चिकित्सा — कोड- A020602T

अथवा

द्वितीय प्रश्नपत्र - ख (वैकल्पिक) - आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य-विज्ञान — कोड- A020603T

अथवा

द्वितीय प्रश्नपत्र - ग (वैकल्पिक) - भारतीय वास्तुशास्त्र — कोड-A020604T

अथवा

द्वितीय प्रश्नपत्र - घ (वैकल्पिक) - ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त — कोड-A020605T

अथवा

द्वितीय प्रश्नपत्र - ङ (वैकल्पिक) - नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान — कोड- A020606T

विषय-संस्कृत (स्नातक-स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक-दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक-नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक-भाषा के रूप में संस्कृतभाषा के प्राचीन-महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने-समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत-साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत-मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- संस्कृत-व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध-अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण-माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत-साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित-नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विकस्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम-चरित्रवान्-मानव एवं कुशल-नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक-समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत-साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक-दृष्टि का विकास होगा।

Programme/Class: Certificate कार्यक्रम/वर्ग - सर्टिफिकेट	Year : First वर्ष - प्रथम	Semester : I सेमेस्टर - प्रथम
विषय - संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020101T	प्रश्नपत्र शीर्षक - संस्कृत-पद्य साहित्य एवं व्याकरण	

Course outcomes : अधिगम उपलब्धियाँ -

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य-साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलङ्कारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर-उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
- संस्कृत-व्याकरण का सामान्य-ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण-कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल-भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट-ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0.

Unit इकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
	प्रथम-भाग (PART-1)	
I	क - संस्कृत-वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव - भारतीय-दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय ख - संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय प्रमुख कवि एवं वैयाकरण आचार्य - वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि	4 8
II	रघुवंशम् - प्रथमः सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 50) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
III	किरातार्जुनीयम् - प्रथमः सर्ग (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
IV	नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10

	द्वितीय भाग (PART-2)	
	संज्ञा-प्रकरणम् (लघु-सिद्धांत-कौमुदी)	12
VI	अच्सन्धिः (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश-पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	12
VII	हल्सन्धिः (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश-पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	11
VIII	विसर्गसन्धिः (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश-पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	10

This course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

संस्तुत ग्रन्थ -

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- रघुवंशम्, हिन्दी-संस्कृत टीका सहितम्, आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी', चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- रघुवंशम् (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार - महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- लघु-सिद्धांत-कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघु-सिद्धांत-कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु-सिद्धांत-कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु-सिद्धांत-कौमुदी (संज्ञा-सन्धि-प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघु-सिद्धांत-कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- लघु-सिद्धांत-कौमुदी, डा. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, शक्तिनगर दिल्ली
- रचनानुवादकौमुदी, डा. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अंक

अथवा

संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा

अथवा

माहेश्वर-सूत्र एवं प्रत्याहार-निर्माण एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

Programme/Class: Certificate कार्यक्रम /वर्ग- सर्टिफिकेट	Year : First वर्ष - प्रथम	Semester : II सेमेस्टर - द्वितीय
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड- A020201T	प्रश्नपत्र शीर्षक - संस्कृत-गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक-अनुप्रयोग	

Course outcomes : अधिगम उपलब्धियाँ -

- विद्यार्थी संस्कृत-गद्य साहित्य का सामान्य-ज्ञान प्राप्त कर, गद्य-काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे।
- संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
- अनुवाद-कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत-गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध-वाचन का कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य-ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम-क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- E-content एवं डिजिटल-लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संस्कृतभाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञानकोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
- संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत-ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे।
- पारंपरिक एवं वैश्विक-ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lectures -Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit इकाई	Topics - पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या

	प्रथम भाग (PART-1)	
I	गद्य-साहित्य का उद्भव एवं विकास प्रमुख-साहित्यकार - बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव	11
II	शुकनासोपदेशः (व्याख्या)	12
III	शिवराजविजयम्-प्रथम निश्वास (व्याख्या)	12
IV	उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	अनुवाद- हिन्दी से संस्कृत में (नियम निर्देश-पूर्वक) (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)	12
VI	अनुवाद- संस्कृत (अपठित) से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में	11
VII	कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर कंप्यूटर में संस्कृत- हिन्दी-लेखन हेतु उपयोगी टूल्स - यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस-टाइपिंग आदि	12
VIII	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब-सर्च, ई-टेक्स्ट, ई-बुक्स, ई-रिसर्च जनरल, ई-मैग्जीन, डिजिटल-लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म - जूम, टीम, मीट, वेब-एक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म - स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्नेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि	10

संस्तुत ग्रन्थ-

- शुकनासोपदेशः, बाणभट्ट, संपा. चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मीप्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेशः, रामनाथ शर्मा 'सुमन', साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेशः, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेशः (कादम्बरी), डॉ उमेशचंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास, संपा. शिवकरण शास्त्री महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ रमाशंकर मिश्र, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- शिवराजविजयम्, डॉ देव नारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ
- संस्कृत-साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत-साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत-साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- संस्कृत-व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007

- अनुवाद-चंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद-चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद-चंद्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत-रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेशचंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- कंप्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर
- कंप्यूटर फंडामेंटल, पी.के सिन्हा, बी.पी.बी पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अंक

अथवा

लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय)

अथवा

संस्कृत-सम्भाषण

(ख) संगणक-प्रायोगिक-परीक्षा 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....